अभ्यास पत्रक

पाठ: 10 - तरुण के स्वप्न

नाम :- ..... कक्षा :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

---

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही उत्तर चुनें। (5 अंक)

(i) नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने अपने भाषण में किसके स्वप्न का उल्लेख किया है?

(क) महात्मा गाँधी (ख) जवाहरलाल नेहरू (ग) देशबंधु चित्तरंजन दास (घ) सरदार पटेल

(ii) नेताजी कैसे समाज का स्वप्न देखते हैं?

(क) केवल आर्थिक रूप से संपन्न (ख) केवल शिक्षित समाज

(ग) सर्वांगीण स्वाधीन संपन्न समाज (घ) केवल पुरुषों का समाज

(iii) नेताजी के आदर्श समाज में किसका स्थान नहीं होगा?

(क) जातिभेद का (ख) श्रम और कर्म का (ग) शिक्षा का (घ) नारी का

(iv) आदर्श समाज में नारियों को कैसे अधिकार प्राप्त होंगे?

(क) पुरुषों से कम (ख) पुरुषों से अधिक (ग) पुरुषों के समान (घ) कोई अधिकार नहीं

(v) नेताजी के अनुसार, आदर्श समाज में किसके लिए कोई स्थान नहीं रहेगा?

(क) किसानों और मजदूरों के लिए (ख) शिक्षित व्यक्तियों के लिए

(ग) आलसी तथा अकर्मण्य लोगों के लिए (घ) तरुणों (युवाओं) के लिए

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें। (5 अंक)

(i) नेताजी ने यह भाषण किस सम्मेलन में दिया था?

उत्तर- .....

(ii) नेताजी के स्वप्न में व्यक्ति पर किसका दबाव नहीं होना चाहिए?

उत्तर- .....

(iii) आदर्श समाज में प्रत्येक व्यक्ति को किसका समान सुअवसर मिलना चाहिए?

उत्तर- .....

(iv) नेताजी ने अपने स्वप्न को किसका उत्तराधिकारी बताया है?

उत्तर- .....

(v) आदर्श राष्ट्र को किस विजातीय प्रभाव से मुक्त होना चाहिए?

उत्तर- .....

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें। (3 x 2 = 6 अंक)

(i) नेताजी सुभाषचंद्र बोस के अनुसार, एक आदर्श समाज की कोई तीन विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर- .....

.....

(ii) "उस समाज में अर्थ की विषमता न हो।" - इस पंक्ति से नेताजी का क्या आशय है?

उत्तर- .....

.....

(iii) नेताजी ने अपने स्वप्न को अपनी शक्ति का 'उत्स' और आनंद का 'निर्झर' क्यों कहा है?

उत्तर- .....

.....

4. निम्नलिखित दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर विस्तार से दें। (4 अंक)

(i) नेताजी ने "एक नया सर्वांगीण स्वाधीन संपन्न समाज" की कल्पना की है। पाठ के आधार पर इस कल्पना को अपने शब्दों में विस्तार से समझाइए।

उत्तर- .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उत्तर कुंजी (वर्कशीट - 1)

1. बहुविकल्पीय प्रश्न:

(i) (ग) देशबंधु चित्तरंजन दास

(ii) (ग) सर्वांगीण स्वाधीन संपन्न समाज

(iii) (क) जातिभेद का

(iv) (ग) पुरुषों के समान

(v) (ग) आलसी तथा अकर्मण्य लोगों के लिए

2. एक वाक्य में उत्तर:

(i) नेताजी ने यह भाषण मेदिनीपुर जिला युवक-सम्मेलन में दिया था।

(ii) नेताजी के स्वप्न में व्यक्ति पर समाज का दबाव नहीं होना चाहिए।

(iii) आदर्श समाज में प्रत्येक व्यक्ति को शिक्षा और उन्नति का समान सुअवसर मिलना चाहिए।

(iv) नेताजी ने अपने स्वप्न को देशबंधु चित्तरंजन दास के स्वप्न का उत्तराधिकारी बताया है।

(v) आदर्श राष्ट्र को हर प्रकार के विजातीय (विदेशी) प्रभाव से मुक्त होना चाहिए।

3. संक्षिप्त उत्तर:

(i) एक आदर्श समाज की तीन विशेषताएँ हैं: (1) उसमें कोई जातिभेद नहीं होगा। (2) नारी को पुरुषों के समान अधिकार मिलेंगे। (3) प्रत्येक व्यक्ति को शिक्षा और उन्नति का समान अवसर मिलेगा।

(ii) इस पंक्ति से नेताजी का आशय है कि आदर्श समाज में अमीर और गरीब के बीच आर्थिक असमानता या बहुत बड़ा अंतर नहीं होना चाहिए। धन का वितरण यथासंभव समान हो।

(iii) नेताजी ने अपने स्वप्न को शक्ति का 'उत्स' (स्रोत) और आनंद का 'निर्झर' (झरना) इसलिए कहा है क्योंकि यही स्वप्न उन्हें हर समय काम करने की प्रेरणा और ऊर्जा देता था और इसी स्वप्न के बारे में सोचकर उन्हें असीम आनंद की अनुभूति होती थी।

4. दीर्घ उत्तरीय उत्तर: (i) नेताजी की "एक नया सर्वांगीण स्वाधीन संपन्न समाज" की कल्पना एक ऐसे आदर्श समाज की है जो हर दृष्टि से पूर्ण हो।

- **सर्वांगीण:** इसका अर्थ है सभी अंगों से पूर्ण। यानी समाज सामाजिक, आर्थिक, और व्यक्तिगत सभी स्तरों पर विकसित हो।
- **स्वाधीन:** समाज और राष्ट्र हर प्रकार के बाहरी (विजातीय) प्रभाव से मुक्त हो और अपने निर्णय स्वयं ले। व्यक्ति भी सामाजिक कुरीतियों और अनावश्यक दबावों से स्वतंत्र हो।
- **संपन्न:** समाज में आर्थिक विषमता न हो। सभी को शिक्षा और उन्नति के समान अवसर मिलें। देशवासियों का कोई अभाव न हो और श्रम तथा कर्म की पूरी मर्यादा हो, जहाँ आलसियों के लिए कोई जगह न हो। संक्षेप में, यह एक ऐसे प्रगतिशील, आत्मनिर्भर और समतामूलक समाज की कल्पना है जहाँ हर व्यक्ति सम्मान और स्वतंत्रता के साथ राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे सके।